Max Schupbach

maxfxx Portland | USA

वर्ल्डवर्क – संगठनों, संप्रदायों, उद्योगों और सार्वजनिक स्थानों में परिवर्तन

मॅक्स शूपाक पीएच. डी.
Max Schupbach Ph.D.

वर्ल्डवर्क क्या है?

संगठन या संप्रदाय के जीवन के पूरे आयाम में परिवर्तन के साथ काम करने का नया प्रतिमानप्रतिमान (पॅराडाईम) ही वर्ल्डवर्क है। इसका प्रणाली पूर्वाभिमुखीकरण नजरिया, संगठनों में और एकत्रित रूप से काम करने वाले लोगों को परिवर्तन और लय के साथ काम करने की नयी व्यापक सुनिश्चितता से परिचित कराता है। यह सभी को एक साथ, अवलोकन करने वाले, भाग लेने वाले, सहायता करने वाले, अनुयायी और नेता के रूप में देखता है। हालांकि, किसी भी एक समय पर हम इनमें से एक या कुछ एक भूमिकाओं के साथ ही पहचाने जा सकते हैं। वर्ल्डवर्क, गुटों को विविध स्तरों पर विश्लेषण और सरलता की अनुमति देता है, वैश्विक प्रणालियों से ले कर स्थानिक घटनाओं तक, सार्वजनिक स्थानों और विविध संगठनात्मक स्वरूपों जैसे, कारोबार, नॉन प्रॉफिट संगठन, सरकारी प्राधिकरण, धार्मिक संप्रदाय इत्यादि।

इन पृष्ठों में, हम यह दिखाने का प्रयास करेंगें कि किस प्रकार भिन्नता, गहरा लोकतंत्र (डीप डेमाक्रसी), जटिल प्रणाली सिद्धांत (कॉम्पेक्स सिस्टिम थ्योरी) क्वॉन्टम सोच (क्वॉन्टम थिंकिंग) और चेतना का अध्ययन आदि सभी आंतरिक तौर पर जुड़े हुए हैं और नए प्रतिमान प्रतिमान(पॅराडाईम) प्रस्थापित करते हैं – एक प्रतिमान (पॅराडाईम) - जो ना केवल विवेकपूर्ण है, बल्कि काव्यात्मक भी है। इसमें अभिव्यक्त होती है विज्ञान के सिद्धांतों की यथार्थता, सांप्रदायिक विचारों की धड़कन, सभासदों की व्यक्तिगत अनुभूति, प्रणाली के प्रति नितांत आदरभाव और संगठनों की बुनियादी जरूरतें। यह एक ऐसा संयोजन है जो सृजनात्मकता को स्वीकरता है, - आम तौर पर संगठनों की प्रक्रियाँओं की तीव्र अभिव्यक्ति – जिसे विश्व के स्वरसंगीत को चलाने वाले द्वारा दिये गए ताल पर बैठाना पडता है।

आपकी वर्ल्डवर्क के प्रति अभिरूचि के लिए धन्यवाद। मैं आशा करता हूँ की इन दिये गये पृष्ठों का 'सर्फिंग' आपके लिए आनंददाई होगा, जिनमें मैंने वर्ल्डवर्क के सिद्धांतों और उनके उपयोगों को संक्षेप में दिया है, और परियोजनाओं के कुछ उदाहरणों द्वारा, जिन पर मैं अभी काम कर रहा हूँ, यह दिखाने की कोशिश की है कि वर्ल्डवर्क किस बारे में है।

वास्तविकता के परिमेय और अपरिमेय पहलू

आरनोल्ड और ऍमी मिन्डेल और उनकी टीम द्वारा विकसित, वर्ल्डवर्क, वास्तविकता के परिमेय और अपरिमेय स्वरूप का, एक संगठन के परिपूर्ण और व्यापक चित्र को उजागर करने के लिए, समान रूप से सम्मान करता है।

एक सरल सी संकल्पना के अनुप्रयोगों का असर असल में व्यापक परिस्थितियों पर पड़ता है। परिमेय और अपरिमेय श्रेणी, दृश्य और अदृश्य के समान हैं या मूर्त और अमूर्त। उदाहरण के लिए , यदि हम भिन्नता के मसले पर काम कर रहें हों तो हम 'परिमेयता' के प्रमाणों को मानते हैं जैसे लिंग, जाति, आयु, दर्जा, लैंगिक रूझान इत्यादि और उसी प्रकार अपरिमेय प्रमाण जैसे इच्छा, सपने, भावनाएँ, धारणायें और प्रतिभा इत्यादि। उसी प्रकार, पदानुक्रम में विशिष्ठ स्थान के साथ जुडी हुई ताकत के स्वरूप जैसे कि "बड़े बूढ़े की अक्लमंदी / बुद्धिमानी, नैतिकता के प्रति दृढविश्वास की ताकत" या "सडक क्षमता" ये सब कम परिमेय हैं परन्तु शक्ति संतुलन की गणना के लिए महत्वपूर्ण हैं। दूसरे क्षेत्र में, उदाहरण के तौर पर उद्योग के क्षेत्र में, परिमेय और अपरिमेय पहलूओं के समान होने का अर्थ हो सकता है कि मूल्य श्रृंखला के बारे में तथ्यात्मक जानकारी और आर्थिक संस्थापन के संख्यात्मक पहलू, आशंकाओं , डर, अभिवृत्ति, और संघर्ष से भिन्न नही हैं, जो संगठन के सदस्यों या विभागों के बीच मौजूद देखे जा सकते हैं और किसी एक भाग को दूसरे भाग की अपेक्षा अधिक महत्व दिया जाना अपरिहार्य रूप से अशांत क्षेत्र बना देगा, उन पहलूओं में से, जिन्हे हाशिए पर छोड दिया गया था। इस परिपेक्ष में, लोकतंत्र और अनेकता को सामाजिक न्याय, राजनीतिक औचित्य या सांख्यिकी बराबरी से परे, जैसे कि हम सभी व्यक्तियों, संगठनात्मक झुकावों, अनुभवों और चेतना के स्तरों की इज्जत करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं। हम इसे किसी भी प्रणाली में दी गई जानकारी को पहचानने और उपयोग में लाने के लिए अपरिहार्य मानते हैं।

इस हिसाब से वर्ल्डवर्क परिमाण, विज्ञान और मानव संसाधनों को एक ढाचें के आधार पर जोड़ते हैं जो दोनों को घेरता है और संवृद्ध करता है। वर्ल्डवर्क के तत्वज्ञान ढाँचे के केन्द्र बिंदु हैं, जागरूकता और अंतर्विवेकशीलता, इस केन्द्र से, वर्ल्डवर्क, तीन मुख्य क्षेत्रों से नये सिरे से संपर्क स्थापित करता है।

- यह क्वान्टम मेकॅनिक्स, केऑस **थ्योरी** और नेटवर्क **थ्योरी** द्वारा की गई खोजों के साथ एक क़ड़ी स्थापित करता है।
- यह समाज शास्त्र, पोलिटिकल साईन्स (राजनीति शास्त्र), सायकॉलॉजी (मनोविज्ञान) और ऍन्थ्रोपॉलॉजी (मानव विज्ञान) की संकल्पनाओं को समाहित करता है और उसका उपयोग भी करता है।
- यह, देशी और शामानी संस्कृति की बुद्धिमानी की कई संकल्पनाओं और सामुदायिक जीवन शैली और नाते संबधों के महत्व को, संजोता है।

वर्ल्डवर्क सिद्धांत, यह दिखाता है कि, किस प्रकार से अंतर्विवेक इन सब रास्तों को एकत्रित करता है।

इस पृष्ठ के उपरी सिरे पर दिए गए प्रतिमान (पॅराडाईम) के मेन्यू में देख कर आप इन सिद्धांतों के बारे में विस्तार से जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

वर्ल्डवर्क कहाँ उपयोग में लाया जाता है?

यद्यपि, कई अंचलों में वर्ल्डवर्क की सबसे बढ़िया पहचान, बहुसंख्यकों के राज और उसका राजनैतिक औचित्य की नियमावली से परे और समान प्रतिनिधित्व से है, जिसमें काम के वैविद्य में 'डीप डेमॉक्रेसी' की संकल्पना को समाविष्ट किया गया है और इसकी अनुप्रायोगिकता असीम है। डीप डेमोक्रेसी एक नयी पद्धति है, जो सभी व्यक्तियों, रूझानों और चेतना के स्तरों की इज्जत करती है। इसमें वह जागरूकता भी शामिल है कि दुनिया को केवल आंशिक रूप में ही जाना जा सकता है और हर एक व्यक्ति और जागरूकता के विविध स्तरों की जरूरत वास्तविकता को दर्शाने के लिए पड़ती है। व्यक्तिगत रूप से, बाहरी दुनिया के साथ व्यवहार करते समय हमें अपने अंदरूनी अनुभवों को देखना, सीखना पड़ेगा, किसी अनुभव के क्षण में जागरूकता बरकरार रखना, सपने देखना और सामाजिक सामर्थ्य। इसके कई परिणाम होते हैं जैसे संगठनात्मक विकास, गुट जीवन, राजनीति और व्यक्तिगत विकास।

यहाँ पर कुछ ऐसे क्षेत्रों का उल्लेख किया गया है जिसमें हम वर्ल्डवर्क लागू करते हैं। इन सभी क्षेत्रों में वर्ल्डवर्क पूरी तरह से नयी सोच प्रस्तुत करता है। आपकी जानकारी की भूख को बढ़ाने के लिए, मैं हर एक क्षेत्र में से एक ऐसे उदाहरण को, जिसमें नवप्रवर्तन आया हो, सम्मिलित कर रहा हूँ। जब आप विविध पृष्ठों को 'सर्फ' करेंगे, आप देखेंगें कि यह चुने हुए उदाहरण, इन क्षेत्रों की ओर देखने और काम करने के बुनियादी रूप से अलग नजरिया है और यह इसका केवल एक छोटा सा भाग है।

- **प्रक्रियाजन्य संगठनात्मक परिवर्तन : संगठनात्मक विकास और गुटों के लिए परिवर्तन के कार्यक्रम, उद्योग, नॉनप्रॉफिट संगठन, नेटवर्क , मूलभूत इकाईयाँ।**
  नवप्रवर्तन का उदाहरण ⟶ हम दिखाते हैं कि कैसे बडी से बडी मुसीबतें अपने आप में बने बनाएँ कई समाधान लिए हुए होती हैं, जो कि अंदर ही से परिवर्तन के लिए गुट में उपलब्ध होती हैं।

- **जनता के कई सवालों के प्रति १००० से अधिक लोगों के बीच खुली बातचीत की सहूलियत**
  नवप्रवर्तन का उदाहरण ⟶ जिन विषयों से साधारण तौर पर बचे रहने की चेष्टा की जाती है, हम वही उत्तेजक विषय चर्चा के लिए खोल देते हैं और समाज के बनने में इसकी महत्ता दिखा देते हैं।

- **संगठनों के अंर्तगत खुली चर्चा, जैसे बोर्ड मैनेजमेंट रिलेशनशिप इंटरएक्शन, मैनेजमेंट-शेयरहोल्डर रिलेशनशिप इंटरएक्शनेस।**
  नवप्रवर्तन का उदाहरण ⟶ हम जागरूकता और, पद और शक्ति, को जानबूझ कर स्वीकारते हैं जो पुराने छिपे हुए व्यक्तिगत और विभागीय झगड़ों को सुलझा देते हैं।

- **अनेक स्तरीय एवम् विविधता पूर्ण पहुँच का इस्तेमाल करते हुए, प्रक्रियाभिमुख योजना का विकास और इसका संगठन के विविध स्तरों पर कार्यान्वयन**

  नवप्रवर्तन का उदाहरण ⟶ हमारे पास दृष्टि प्रणाली है, जिसमे संगठन के सभी स्तर सम्मिलित हैं जो संगठन की मूल काल्पनिकता को खोजने में सहायक होती है : व्यक्तिगत और संगठन का चिरंतन चरित्र, जो कि उसकी सबसे बडी संभावना और उर्जा का स्त्रोत हैं।

- **व्यक्तिगत और सामूहिक नायकत्व विकास के कार्यक्रम और उद्योगों कें क्षेत्र में नायकत्व के लिए प्रशिक्षण, राजनीति, सरकार, गैर लाभ संस्थाएँ, सामाजिक-आर्थिक सुधारकी पहल, युवा गुट इत्यादि।**

  नवप्रवर्तन का उदाहरण ⟶ हम जागरूकता और पदार्थ विज्ञान से लिए गये समांतर जगत सिद्धांत की संकल्पना को जोडते हैं ताकि नेतृत्व जटिल परिस्थितियों को समझ कर उनसे आसानी से निपट सकें।

- **दल निर्माण और दल सरलीकरण ।**

  नवप्रवर्तन का उदाहरण ⟶ हमारे पास एक कार्य प्रणाली है जो सदस्यों को संकट के स्व-संतुलन के पहलू का अनुभव कराती है और इसका उपयोग सहयोग के नये स्तर तक पहुँचने में किया जाता है।

- **शहरी योजना ।**

  नवप्रवर्तन का उदाहरण ⟶ नयी रिश्तेदारी प्रस्थापित करने के लिए प्रबंधन उद्योग, राजनीतिक शक्तियाँ, ऐसी बिरादरियाँ जो हाशिये पर हैं, उदाहरण के तौर पर परियोजना – "सिटीवर्क – थेरेपी फॉर सिटी" : - शहर के लिए उपचार आदि सार्वजनिक स्थानों के परिमेय और अपरिमेय पहलू का हम उपयोग करते हैं।

- **सामाजिक-आर्थिक परिवर्तन कार्यक्रम ।**

  नवप्रवर्तन का उदाहरण ⟶ हम व्यक्ति की छिपी हुई प्रतिभा को उजागर करते हैं जो कि व्यक्तिगत संकट के समय सामने आती है, और इसका उपयोग हम मुख्य संकल्पना के तौर पर "कल के नेतृत्व" में करते हैं, एक नेतृत्व विकास कार्यक्रम, जो बेरोजगारों और घर विहीन लोगों के लिए है।

- **संघर्षमय इलाके जैसे मध्यपूर्व, द बाल्कन्स, आयरलॅण्ड आदि मे विविध स्तरों पर संघर्ष समाधान।**

  नवप्रवर्तन का उदाहरण ⟶ हम समझते हैं कि संघर्ष या युद्ध, प्राय: गुटों के बीच रिश्तेदारी को बढ़ाने की पहली सीढी है और हम इसमे शामिल सभी गुटों से शुरूवाती सहायक अभिव्यक्ति के साथ मिल सकते हैं।

- **संगठन में संघर्षों का सुलझाना, संगठनों के विलीनिकरण के मसले समेत विभागजन्य संघर्ष, औद्योगिक रिश्तेदारी इत्यादि ।**

  नवप्रवर्तन का उदाहरण ⟶ हम यह दिखाते हैं कि किस तरह से स्वयं आयोजित क्षेत्र के या इन संघर्षों को आयोजनात्मक 'भाव' द्वारा आयोजित किया जाता है और इनका उपयोग इसमें भाग

लेने वालों का संगठन की शक्ति और काबलियत के बारे में दृष्टिकोण का विस्तार करने के लिए किया जाता है।

- **स्वास्थ्य सेवा के मॉडल।**
  नवप्रवर्तन का उदाहरण ⟶ हम दिखाते हैं कि किस प्रकार अनेक विविध संस्कृति के पहलू में किसी भी अच्छे भविष्य के लिए सभी लोगों द्वारा योगदान की आवश्यकता होती है – मरीज – मरीज का खयाल रखने वाला व्यक्ति, वैद्यकीय मॉडल्स की विविधता।

- **शैक्षणिक कार्यक्रमों के लिए नये पार्टिसिपेटरी मॉडल्स।**
  नवप्रवर्तन का उदाहरण ⟶ शिक्षक, विद्यार्थी और शिक्षा में सहायकों की भूमिका बदलती रहती है, जिसका उपयोग शिक्षा के कार्यक्रमों के लिए किया जाता है जिसके अंतर्गत, पूर्णत्व पाने के लिए, आते हैं – व्यक्तिगत विकास, बिरादरी का बनना इत्यादि।

- **काम की जगह पर संघर्षों को सुलझाना।**
  नवप्रवर्तन का उदाहरण⟶ हम यह दिखाते हैं कि किस तरह व्यक्तिगत रिश्तेदारी में संघर्ष, काम की जगह पर व्यक्तियों में संघर्ष, स्थानिक संगठन और गैर स्थानिक होता है। जागरूकता का उपयोग पहले व्यक्तियों के बीच तनाव कम करने के लिए किया जा सकता है और दूसरे संगठन के भविष्य के विकास के लिए सहायक के रूप में किया जाता है। संघर्ष कर रहे गुट सभी स्तरों पर क्रियाशील रूप से सहभागी हो सकते हैं।

- **ई-कम्युनिटी बिल्डिंग और ऑन-लाइन फैसिलिटेशन के बारे में नयी कल्पनाएँ।**
  नवप्रवर्तन का उदाहरण ⟶ हम दिखाते हैं कि किस प्रकार नेटवर्क सिद्धांतों की संकल्पनाएँ जैसे छोटे जग के तथ्य या, विभाजन के अंशों का विस्तार होता जाता है, जब आप इसे जोड़ते हैं तीन स्तरों की पहुँच के साथ, जिसके बारे में आप विस्तार से आगे पढ़ पाएँगें।

- **अपराधी – पीड़ित मध्यस्तता।**
  नवप्रवर्तन का उदाहरण ⟶ हम बदले की भावना और अपराध की प्रक्रिया को उजागर करते हैं ताकि इसका उपयोग न्यायिक ऊपाय योजना को शुरू करने के लिए किया जा सके।

वर्ल्डवर्क प्रतिमान (पॅराडाईम) के आधार स्तंभ – एक परिपेक्ष्य, एक कार्यप्रणाली और एक व्यक्तिगत प्रेरणा का पथ

वर्ल्डवर्क का परिपेक्ष्य

वर्ल्डवर्क परिपेक्ष्य - प्रति व्यक्ति, गुट और घटना को बिरादरी और विश्व के उभरते भविष्य के लिए महत्वपूर्ण मानता है। तीन स्तरों पर भिन्नता, जिनका विचार, हम समांतर विश्वों के तौर पर करते हैं।

पहले दो स्तरों की परिभाषा गुटों और संगठनों के परिमेय और अपरिमेय पहलूओं द्वारा की गई है। परिमेय स्तर, सर्वसम्मत यथार्थ का सृजन करता है, जिसमें न केवल संगठनात्मक तथ्यों के घटक मौजूद होते हैं बल्कि संगठनात्मक ढाँचे, योजनाबद्ध लक्ष्य और इनको पाने के बेहतरीन तरीके भी होते हैं। अपरिमेय पहलू के अंर्तगत आते हैं, सृजनता का तनाव और आवेग, जैसे कि, उत्तेजना, ईर्ष्या, सत्ता के लिए संघर्ष इत्यादि। तीसरे स्तर पर, वर्ल्डवर्क के पहलू के अंतर्गत आते हैं, सब चीजों और सब लोगों से जुड़े होने का अहसास, एक अद्वैत जिसमें बाधक ध्रुवीकरण के लिए कोई मौका ही नही है।

इन तीनों स्तरों को महत्वपूर्ण सापेक्षता के तौर पर देखा जाता है। तीनों स्तर समान परिपेक्ष्य लिए हुए लगते हैं और न्यूटोनियन नजरिये से संघर्षपूर्ण या अविवेकी नजर आते हैं। क्वान्टम माइंड जो विश्व की स्वयं-प्रतिबिंबित होने की प्रवृत्ति के प्रति खुला और जागरूक है, दोनों का एक साथ अनुभव कर सकता हैं, ध्यान का स्थानातंरण होते हुए आसानी से बहता है। इस परिपेक्ष्य का कार्यप्रणाली के साथ, उदाहरण के तौर पर, संघर्षों को सुलझाने के लिए उपयोग किया जा सकता है और संगठन के विवेक और तथ्याभिमुख दल के बीच सहक्रिया उत्पन्न करने के लिए, और भावनाओं के लिए, गुट की सहकारिता से जुडे लोगों के लिए।

तीनों स्तर, एक दूसरे पर परस्पर प्रभाव डालते हैं और ऐसी तस्वीर उभारते हैं जो यह दिखाती है कि – प्रक्रिया – जो अन्ततोगत्वा सृजनशील और अर्थपूर्ण है – वह भविष्य की तरफ़ उतनी ही खिंची जाती है जितनी की भूतकाल से संचालित होती है। इसके अर्थ का प्रकटीकरण, आनेवाले भविष्य का सह-सृजन और परेशानी पैदा करने वाले और अधिक संबंध ना होने वाली घटनाओं का मतलब हमें समझाती हैं, जिससे कि, एक बड़ी तस्वीर उभरकर सामने आती है। इस परिपेक्ष्य से हम जान पाते हैं कि समस्याओं में ही उनके बने बनाए समाधान मौजूद होते हैं।

वर्ल्डवर्क कार्यप्रणाली

वर्ल्डवर्क प्रणाली में सम्मिलित हैं संकल्पनाएँ, प्रणालियाँ, उभरती हुई प्रक्रियाओं की सहूलियत के लिए हस्तक्षेप – तीन स्तरों पर – और संगठनों में जानकारीपूर्वक परिवर्तन ला कर अपने भविष्य का सह-सृजन करना। हमारे और हमारे लक्ष्य के बीच आने वाली कठिनाइयों पर मात करने की बजाय, हम गुटों की अपने आप संगठित होने की धार को खोज कर, उसे मोड़कर, उसका उपयोग समांतर विश्व में महाद्वारों (गेटवेज) की तरह कर सकते हैं।

वर्ल्डवर्क की कुछ संकल्पनाएँ, जैसे की पदार्थ विज्ञान के क्षेत्र (फील्ड) की कल्पना, इनका उदगम आधुनिक विज्ञान में है। एक तथ्य की यह संकल्पना करता है, जहाँ शाश्वत पर होने वाले प्रभाव का असर हम देख सकते हैं, जहाँ शाश्वत स्त्रोत से संपर्क में नही होता। इसका उदाहरण है गुरूत्वाकर्षण, जहाँ सीमित वस्तु को घेरे हुए आवेग दूसरी वस्तुओं पर उनके संपर्क में आए बिना अपना प्रभाव डालते हैं। पुरानी चीनी 'ताओ' की संकल्पना को भी इसके जैसा ही देखा जा सकता है। 'ताओ' जिसे कहा नहीं जा सकता उसे

शाश्वत का संगठन सिद्धांत समझा जा सकता है। हालांकि, ना तो इसे देखा जा सकता है, या समझा जा सकता है, पर यह हर एक पर प्रभाव डालता है। संगठनों के जीवन को क्षेत्र संगठित करते हैं, कई बार हमें यह महसूस होता है कि हम जिन गुटों में शामिल हैं या जिनकी अगुवाई कर रहे हैं उन पर प्रभाव डालने में हम असमर्थ हैं। वर्ल्डवर्क की दूसरी संकल्पनाओं का उपयोग, पूरी दूनिया में आध्यात्मिक और देशी परम्पराओं में अनंत काल से हो रहा है। उदाहरण के लिए, सपनों की संकल्पना, जिसका हम वर्ल्डवर्क में उपयोग करते हैं – इसको आस्ट्रेलियन आदिम जातिओं मे भी देखा जा सकता है। यह सृजनात्मक कल्पना की प्रक्रिया की ओर इशारा करती है, जिसमें हम अपनी साभिप्रायता के साथ या उसके बिना हम अपने आपको इसका हिस्सा पाते हैं।

यदि 'सपना देख रहे' संगठन की कल्पना हम करें, तो हम देखते हैं कि कई बार संगठन इस प्रकार का बर्ताव करते हैं मानों वे स्वायत्त हों; हमें चालक रहित गाडी जो काबू से बाहर है, उसके बारे में नही सोचना चाहिये अपितु एक ऐसे जीव के बारे में सोचना चाहिये जो उत्तेजित है और अपनी प्रतिभा के अनुसार कार्य कर रहा है, शायद दिशाहीन पर अर्थपूर्ण प्रेरणाओं के साथ – एक ही दिशा में सोचने वाले सहयोगियों के लिए यह शायद उतनी आसानी से स्वीकार्य ना हो।

वर्ल्डवर्क की एक संकल्पना : "घोस्टरोल", किसी एक घटना में गुट के और सहयोगी कितनी हद तक हिस्सा लेते हैं, इसका अवकलन करता है। उदाहरण लें तो, संगठन के कुछ सदस्य "हम" शब्द का प्रयोग करेंगे जब वे किसी चीज के साथ तादात्म्य पाते हैं, और कभी "संगठन" शब्द का तब प्रयोग करते हैं जब वे सोचते हैं कि वह चीज उनके वश मे नही हैं। एक उदाहरण – "हम सबने जी तोड़ मेहनत की, पर संगठन को उसकी कोई कदर नहीं है," इस तथ्य का एक नमूना पेश करता है। यहाँ "संगठन" को एक भूत जैसे आकार मे प्रस्तुत किया गया है जो किसी के भी काम की कोई कदर नही करता – एक अस्थानिक मौजूदगी जो कुछ सदस्यों को परेशान करती है। यदि हम इन 'भूतों' को आवाज प्रदान करें तो गुट उनकी सृजनता की संभावनाओं और विचारों को ढूंढ सकते हैं। जैसे कि इस उदाहरण में, संगठन के भूत का रोल सदस्य अदा कर सकते हैं और इसके दौरान वे खोज पाएँगें की वे एक दूसरे का अधिक सम्मान करके संगठन में परिवर्तन ला सकते हैं।

वर्ल्डवर्क उस बिन्दु की परिभाषा **'कगार'** या **"द एँज"** के तौर पर करता है जहाँ गुट का विकास किसी धारणा या अनुभव के साथ पहचान बनाता है, जो कि नया हो। उपर दिये गए उदाहरण में सहभागियों के लिए 'कगार' है अपने आपको उस संगठन से अभिन्न समझना जिससे वे खुद को पीड़ित महसूस करते थे। ऐसा करते हुए, उस सत्र में उपस्थित लोग जब एक दूसरे की कदर करने लगते हैं, संगठन में उसी समय और वहीं परिवर्तन शुरू हो जाता है।

चूकिं 'कगार' केन्द्र बिंदु है, जिसमें बदलाव की अधिकतम क्षमता है, संगठन स्वत: - संगठित होने के सबसे करीब है, इसे प्राय: उस क्षेत्र की तरह देखा जाता है जहाँ चीजें काबू से बाहर जा सकती हैं।

वर्ल्डवर्क के पास तकनीकों और हस्तक्षेपों की कड़ियाँ हैं जो अभिरूचि लेने वालों के बहुस्तरीय अनुभवों का पद चिन्ह की तरह इस्तेमाल करती है। चूकि हस्तक्षेप सीधे सीधे भाग लेने वालों के अनुभवों से जुड़े होते

हैं, गुट के सहभागियों के लिए वर्ल्डवर्क प्रतिमान (पॅरिडाईम) को निर्धारित नही किया जाना चाहिए। यह धारणा संघर्ष को सुलझाने के क्षेत्र में अधिक महत्वपूर्ण है।

वर्ल्डवर्क – व्यक्तिगत विकास और प्रेरणा का पथ

एक व्यक्ति का नेतृत्व करने का, सुगमता लाने का और सार्वजनिक जीवन एवम् संगठन में सक्रीय रूप से भाग लेने का निर्णय गहरी प्रेरणा पर आधारित होता है। अंर्तआत्मा की आवाज, इस क्षेत्र में काम करने के लिये व्यक्ति की सीख और व्यक्तिगत विकास की दिशा को बाहर से प्रेरणा देती है। सीखना, हमारी दृष्टि में, अपनी अंदरूनी प्रक्रिया से जुडने पर आधारित है, और खुद की व्यक्तिगत कल्पनाओं को दूनिया के साथ और संगठन के साथ जोडने पर, पढाना, पढने वाले और पढाने वाले के पथ के जोड को सहज बनाने की प्रक्रिया है। यह प्रेरणा पथ – प्रतिमान (पॅराडाईम), प्रणाली और सुगम / नेता के व्यक्तित्व को एक सिलाई रहित पूर्ण में बांध देता है और हम काम पर जो अभिवृत्ति या भावनाएँ ले कर पहूँचते हैं उसका यह स्त्रोत होती हैं। जागरूकता को अपने अवलोकन, खोज, व्यक्तिगत अन्योन्य क्रिया के केन्द्र में रख कर, हम अपनी अंत:शक्ति पर विश्वास करना सीख लेते हैं और स्वाभाविक रूप से ही प्रामाणिकता और भावनात्मक प्रज्ञा का विकास करते हैं जो प्रणालियों और परिपेक्ष्यों को जीवंत और महसूस किये गए अनुभवों में व्यक्त करता है। जिन निराले तरीकों से हम काम करते हैं, सुगमता लाते हैं और नेतृत्व करते हैं उनको हमारे जीवन के प्रति, समाज के प्रति, हमारा उसमें सहभाग और हमारा दुनिया में सहभाग के मूलभूत मूल्यों से अलग नही किया जा सकता।

वर्ल्डवर्क विकास का इतिहास

वर्ल्डवर्क, प्रोसेसवर्क प्रतिमान (पॅराडाईम), की बेटी है। दोनों प्रतिमानों की भूमिकाओं के केन्द्र हैं – हम परिमेय और अपरिमेय वास्तविकता का मूल्यांकन किस प्रकार करते हैं। प्रोसेसवर्क का विकास आरनोल्ड और एमी मिंडल और उनके साथियों द्वारा किया गया और विगत 30 वर्षों में यह एक व्यापक प्रतिमान (पॅराडाईम) के रूप में उभरा है, जो आधुनिक परिपेक्ष्य में चेतना की खोज का प्रस्तुतिकरण करता है और पदार्थ विज्ञान, गणित, चिकित्साशास्त्र, मानसशास्त्र और एकत्रित व्यवहार के अभ्यास में नयी प्रेरणाएँ लाता है।

प्रोसेसवर्क को आम तौर पर व्यक्तिगत विकास के लिए एक व्यापक मनोचिकित्सा के मॉडल के रूप में देखा जाता है, परन्तु इसका उपयोग अनेक क्षेत्रों में किया जाता है जैसे शरीर के लक्षण और अचेत अवस्था, साथ ही मंच, फिल्म बनाना और सृजनात्मक प्रदर्शन।

वर्ल्डवर्क, प्रोसेसवर्क मॉडल से 15 साल पहले अलग हुआ और तब से आरनोल्ड और ऍमी मिंडल और वर्ल्डवर्क की टीम द्वारा इसके बारे में खोज की जा रही है, लिखा जा रहा है, परिक्षण और विकास किया जा

रहा है। दोनों प्रोसेसवर्क और वर्ल्डवर्क उभरती हुए प्रतिमान हैं, इन पर निरन्तर चर्चा और परिवर्तन होते रहते हैं। कुछ ई-चर्चा सत्रों में भाग लेने के लिए और इसके विकास में आप आमंत्रित हैं।

अधिक जानकारी और प्रशिक्षण

इन पृष्ठों को 'सर्फ'करने का आनंद लें, वर्ल्डवर्क के बारे में अधिक जानकारी के लिए इस विषय पर पुस्तकों और लेखों के लिए पुस्तकालय और नेट वर्किंग के लिंक देखें – रचनाकारों के होम पेज सहित – वर्ल्डवर्क और प्रोसेसवर्क पर चर्चा करने वाले गुटों से आप संपर्क साध सकते हैं। साईट पर दिये गये लिंक आपको कई प्रशिक्षण कार्यक्रमों और शैक्षणिक उपाधियों की ओर ले जाएगें जिनमें दुनिया भर में चल रहे वर्ल्डवर्क विचारों और कई चर्चा गुटों से आप संपर्क कर पाएगें जहाँ इस प्रतिमान से जुडे विषयों पर चर्चा होती है।